**सरंक्षक** : प्राचार्य डॉ ओ.एन. चौबे

**समन्वयक** : डॉ बी.सी. जोशी
(इतिहास विभागाध्यक्ष)
मोबा.नं. 9424471218

**संयोजक** : डॉ हंसा व्यास
(प्राध्यापक इतिहास)
मोबा.नं. 7987878133

**सचिव** : डॉ.कल्पना विश्वास
(स.प्राध्यापक इतिहास)
मोबा.नं. 8319286770

### –:परामर्शदात्री समिति :–

1. डॉ धीरेन्द्र शुक्ला, ओ.एस.डी. उच्च शिक्षा विभाग भोपाल म.प्र.
2. डॉ मथुरा प्रसाद, अतिरिक्त संचालक नर्मदापुरम् संभाग उच्च शिक्षा विभाग भोपाल. म.प्र.
3. डॉ कामिनी जैन, प्राचार्य, शा.अग्रणी ग्रहविज्ञान महाविद्यालय नर्मदापुरम्।

### –:मार्गदर्शक समिति :–

1. डॉ अमिता जोशी, प्राध्यापक राजनीतिशास्त्र
2. डॉ विनीता अवस्थी, प्राध्यापक,दर्शनशास्त्र
3. डॉ एस.सी. हर्णे, प्राध्यापक, वाणिज्य
4. डॉ संजय चौधरी, प्राध्यापक, गणित
5. डॉ कमल चौबे, प्राध्यापक, गणित

### –:आयोजन समितिः–

1. डॉ रेखा रानी राठौर, प्रा.इतिहास,शा.स्नातकोत्तर पिपरिया महाविद्यालय
2. डॉ असुन्ता कुजूर, स.प्रा.इतिहास, शा.एम.जी.एम. इटारसी
3. डॉ श्रीमती आर.बी.शाह स.प्रा.इतिहास शा.अग्रणी ग्रहविज्ञान महाविद्यालय नर्मदापुरम
4. डॉ लक्ष्मी ठाकुर, स.प्रा.इतिहास शा.एम.जी.एम. इटारसी
5. डॉ कल्पना स्थापक, स.प्रा.इतिहास,शा.महा विद्यालय सिवनी मालवा

### –:व्यवस्थापन दायित्वः–

1. डॉ आर.एस.बोहरे, वाणिज्य विभाग, मो.नं. 9425360629
2. डॉ आलोक मित्रा, समाजशास्त्र विभाग, मो.नं. 94253 75441
3. डॉ सविता गुप्ता अर्थशास्त्र विभाग, मो.नं. 9893760065
4. डॉ प्रीती उदयपुरे वाणिज्य विभाग, मो.नं. 9826738772
5. डॉ मीना कीर वाणिज्य विभाग, मो.नं. 9993959446
6. डॉ अंजना यादव, हिंदी विभाग, मो.नं. 9399577511

## एक दिवसीय राष्ट्रीय–शोध संगोष्ठी

## महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा
(सुरक्षित पर्यटन यात्रा के विशेष संदर्भ में)

Women's Social Security
(With special reference to safe tourist travel)

दिनांक 26 नवम्बर 2022 दिन शनिवार

**प्रति,**

.....

.....

**प्रेषक:**
डॉ. हंसा व्यास
प्राध्यापक, इतिहास
शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
नर्मदापुरम् (म.प्र.)

## महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा
(सुरक्षित पर्यटन यात्रा के विशेष संदर्भ में)

**********

Women's Social Security
(With special reference to safe tourist travel)

**एक दिवसीय राष्ट्रीय–शोध संगोष्ठी**

**दिनांक 26 नवम्बर 2022**

**दिन–शनिवार**

## प्रायोजक
विश्व बैंक परियोजना कें अंतर्गत मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता परियोजना (MPHEQIP) में प्रायोजित

## आयोजक
–:इतिहास विभागः–

### –:संरक्षकः–
डॉ. ओ.एन.चौबे

### –:आयोजन स्थलः–
शा.नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम् (म.प्र.)
(उत्कृष्टता संस्थान)
दूरभाष नं. 07574–254095, 254247

# महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा
## (सुरक्षित पर्यटन यात्रा के विशेष संदर्भ में)

**********

(With special reference to safe tourist travel)

**"सामाजिक सुरक्षा सामाजिक परिवर्तन और प्रगति का एक साधन है"।**

"लोगों को जगाने के लिये महिलाओं का जागृत होना जरुरी है, एक बार जब वो अपना कदम उठा लेती है तो उनके पीछे–पीछे परिवार आगे बढ़ता है, गाँव आगे बढ़ता है और राष्ट्र विकास की ओर उन्मुख होता है।"

आज भारत के विकास और उन्नति में नारीशक्ति का योगदान अतुल्य हैं। इतिहास में भी महिलाओ ने विशिष्ट भूमिका निभाई हैं, जैसे कि भारतीय नारीवाद की जननी सावित्रीबाई फुले, जिन्होंने देश में लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू करके देश में साक्षरता का नया दीपक जलाया, जिससे महिलाये आत्मनिर्भर हो पायी, ताराबाई शिंदे–जिनकी कृति स्त्री पुरुष तुलना को पहला आधुनिक नारीवादी पाठ माना जाता है और पंडिता रमाबाई–इन्हे ब्रिटिश राज द्वारा कैसर–ए–हिंद पदक से सम्मानित किया गया क्योंकि इन्होने विशिष्ट सामाजिक सेवा से ब्रिटिश भारत के समय एक समाज सुधारक के रूप में महिलाओं की मुक्ति के लिए के लिए कार्य किया था। इसी क्रम में ब्रिटिश राज के दौरान, राजा राम मोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर और ज्योतिराव फुले जैसे कई समाज सुधारकों ने महिलाओं के अधिकारों और उत्थान के लिये लगातार संघर्ष किया है। कहा जाता है कि महिलायें पैदा नहीं होती अपितु बनती है एवं उनमे दुनिया को बदलने की ताकत होती है, असमानता और संघर्ष की स्थिति में भी महिलाएं ऊपर उठने की क्षमता के साथ काम करती हैं और न केवल अपने जीवन को बदलती हैं बल्कि अपने पूरे समुदाय को बदलने का हौसला रखती है।

भारत में महिलाएं अब हर एक क्षेत्र में ,शिक्षा, रक्षा, खेल, राजनीति, मीडिया, कला एवं संस्कृति, और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों में पूरी तरह से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। भारतीय महिलाओं को पुरुष प्रधान समाज, वर्ग और धर्म के उत्पीड़न के तहत विकसित होने में बेहद कठिन समय मिला है, लेकिन अब चुप्पी तोड़ने का समय है। महिलाओं को सम्मान का अधिकार है। अगर हर माता–पिता अपने बेटे को महिलाओं का सम्मान करना और उनके साथ सम्मान से पेश आना सिखाते हैं। तो एक दिन ऐसा आयेगा जब उन्हें अपनी बेटी की सुरक्षा का डर नहीं होगा।

**"यही एक वास्तविक और समग्र शिक्षा होगी।"**

आज 21 वीं सदी में भी महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा एक सवाल बनकर समाज से उत्तर मांग रही है।

आईये संगोष्ठी के माध्यम से आप –हम कुछ जवाब तलाशें, कुछ समाधान निकालने की कोशिश करें। आप सभी का संगोष्ठी में हार्दिक स्वागत है। आपकी गरिमामयी उपस्थिति एवं अकादमिक सहभागिता से यह राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी अपने उद्देश्य में अवश्य सफल होगी।

मुख्य विषय सहित अंतरविषयी शीर्षक पर पूर्ण शोध–पत्र हिन्दी/अंग्रेजी में आमंत्रित होगे। शोध पत्र **1500 से 2000 शब्द** एवं शोध/पत्र की **सारांश 200** शब्दों में प्रेषित करना अपेक्षित है। शोध पत्र ए–4 साईज में हिन्दी **Krutidev.010 फोण्ट साईज–14**, अंग्रेजी में **Times New Roaman फोण्ट साईज–12** एवं **लाईन स्पेस–1.5** में हो। शोध पत्र एवं उसकी सारांश प्रेषित करने की अंतिम तिथि 16 नवंबर 2022 है।

शोध पत्रों का प्रकाशन ISSN-ISBN नंबर प्राप्त पुस्तक में प्रकाशित किये जायेंगे।

## –:शोध –पत्र भेजने का पता:–

**E-mail: nmvseminar@gmail.com**

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में भाग लेने के लिए पंजीयन शुल्क जमा करने हेतु बैंक का नाम एवं एकाउंट नंबर:–

**बैंक का नाम:– स्टेट बैंक ऑफ इंडिया,**
**मीनाक्षी चौक, नर्मदापुरम्**

**एकाउन्ट नं.:– 10902518627**

**IFSC Code:- SBIN0000383**

**कार्याक्रम स्थल पर भी पंजीयन शुल्क जमा किया जा सकेगा। यात्रा भत्ता केवल विषय विशेषज्ञ को ही देय होगा। कर्तव्य अवकाश की पात्रता केवल शासन के नियमानुसार रहेगी।**

## प्रस्तावित चिंतन–बिन्दु

- गुलाबी पर्यटन
- महिला उन्मुख पर्यटन नीति
- पर्यटन और महिला स्वरोजगार
- सामाजिक संवेदनशीलता और महिला पर्यटन
- महिला सुरक्षा के संवैधानिक दृष्टिकोण
- सामाजिक अधिकार।
- सुरक्षित जीवन का अधिकार।
- सुरक्षित यात्रा का अधिकार।

## –:पंजीयन शुल्क:–

प्राध्यापक/स.प्राध्यापक रू. 500/–
शोध छात्र/अतिथि विद्वान रू. 350/–
शोध पत्र के साथ रू. 500/–
विद्यार्थी रू. 150/–

## कार्यक्रम:– 26 नवम्बर 2022
## दिन– शनिवार

**पंजीयन** : 9:00 से प्रारंभ
**उद्घाटन सत्र** : 11:00 बजे
**प्रथम तकनीकी सत्र** : 12:00 से 2:00 बजे
**दोपहर भोजन** : 2:00 से 2:30 बजे
**द्वितीय तकनीकि सत्र** : 2:30 से 4:30 बजे
**समापन सत्र** : 4:30 से 5:15 बजे